

को संकेत है।

20/05/25

उपरोक्त पत्र को  
श्री विजयनगर  
के अधिकारी  
द्वारा प्रेषित  
है।

परील प्रार्थी द्वारा प्रेषित दि. 15/05/25  
की प्रार्थना से श्री जहड़ बाधला धरमना  
उपस्थित परील उद्योग परिसर की  
बाद से सहायता स्वरूप उद्धार कार्य  
द्वारा उद्योग की विचारिता अर्थात् बल  
बाद से निस्तार तक नौका व निवास  
सुव्यवस्था बनाए रखनी हेतु पबंध  
कार्य के लिए निर्देश दिया गया।  
परील उद्योग (किता/परील उद्योग परिसर)  
की प्रार्थना पर धारणा पर 212 रि.प्र.  
अनुसार किता जाता है एवं इस आधार की  
असह्य निर्देशाज्ञा जारी की जाती है कि  
उद्योग बल बाद के निस्तार तक विचारिता  
अर्थात् (धारणा परिसर में पबंध अनुसंधान) पर  
नौका एवं निवास की सुव्यवस्था बनाए रखनी।  
धारणा बनाए रखनी परिसर में  
अनुसंधान कार्य बल बाद के निस्तार हेतु

20/05/25

15/7

20/05/25



उपखण्ड अधिकारी  
श्री विजयनगर

